विचार बिन्दु

सत्ग्रंथ इस लोक की चिंतामणि नहीं उनके अध्ययन से सारी कुचिंताएं मिट जाती है। संशय पिशाच भाग जाते हैं और मन में सदभाव जागृत होकर परम शांति प्राप्त होती है। –अज्ञात्म

18 सितम्बर, 2023 को संसद का विशेष सत्र

सकुछ समय से यह प्रथा सी बन गई है कि मोदी सरकार अथवा मोदी ने जो भी कहा हो, किया हो, विपक्ष उसकी आलोचना की गीत गाने लगता है। आज के विपक्ष को शायद मोदी के नाम से ही चिड़ है। हाँ, यह भी सच है मोदी सरकार ने बड़े फैसले लिये हैं जैसे नोटबंदी, संविधान के अनुच्छेद 370 व 35क को समाप्त करना, ट्रिपल तलाक आदि और इनका तीव्र विरोध विपक्ष ने किया है। यह भी कहा जाता है कि विरोध व आलोचना से रास्ता प्रशस्त होता है। जी-20 सम्मेलन ने दुनियां को स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत अब दुनियां की उभरती हुई ताकत बन चुका है। मोदी के नेतृत्व में अफ्रीकन यूनियन को जी-20 की सदस्यता सबकी सहमति दिलवाना एक सफलता का बडा कदम है। देश तरक्की की ओर बढ़ रहा है और दुनियां की 5वीं महाशक्ति है।

संसद में वाक् आउट से व हंगामें के कारण संसद के आवश्यक कार्य नहीं हो पाते। कई विधेयक अति आवश्यक होते हैं, जिन्हें पास कराना आवश्यक है।

संसद की कार्यवाही रूल्स द्वारा अथवा Precedents से गवर्न होती है। संसद के सत्र को आहूत किया जाता है। इसके नियम हैं। संसद का सेशन बुलाने के कई तरीके हैं। उनमें एक तरीका विशिष्ट सेशन बुलाने का है। इसे विशिष्ट सेशन अथवा सीक्रेट (Secret) सेशन्स कहा जाता है। साधारण रूप से सेशन बुलाने के कारण जिसे 'एजेंडा' कहते हैं, सत्र के नोटिस के साथ भेजा जाता है। यह Special Session 18-22 सितम्बर 2023 को बुलाया गया है। सूचना के साथ कोई एजेंडा नहीं दिया है। विपक्ष की ओर से यह कहा गया है कि संसद के सत्र को बुलाने के नोटिस के साथ आवश्यक पेपर्स भी भेजे जाते हैं, जो विषय के लिये आवश्यक हों।

संसद व सांसद के बाहर संविधान के जानकार (Expert) सीनियर एडवोकेट्स तथा पत्रकारों से तथा पूर्व सेक्रेटरी जनरल लोकसभा PDT Achary जैसे व्यक्तियों से जानना चाहती है कि यह Special Session क्या है, कैसे बुलाया जाता है और क्या इसके लिये नोटिस में एजेंडा होना चाहिये। पूर्व सेक्रेटरी जनरल PDT Achary ves Live Law को एक मुलाकात में बताया कि साधारण तौर पर जब सत्र को आहूत किया जाता है तो सभी आवश्यक पेपर्स आवश्यकता के अनुसार भेजने चाहिये। प्रस्तुत केस में एजेंडा नहीं भेजा गया है। यह असाधारण घटना है। पूर्व सेक्रेटरी जनरल के अनुसार एजेंडा के अभाव के सत्र का बुलाना Improper व Unprecedental है।

संसद के रूल्स को देखें तो यह स्पष्ट होगा कि रूल्स में Secret Session बुलाने का प्रावधान है किन्तु Special Session का कोई प्रावधान नहीं है। यहां यह प्रश्न पैदा होता है कि "आप विशिष्ट सत्र बुला रहे हैं तो सत्र बुलाने का उद्देश्य भी विशिष्ट होना चाहिये। इस बात को यह कह कर भी कहा जा सकता है जब तक उद्देश्य महत्वपूर्ण नहीं होगा, सत्र को विशिष्ट कैसे कहा जा सकता है?

यह सही है विशिष्ट (विशेष) सत्र की सूचना सांसदों को दी जा चुकी है। विशेष सत्र बुलाना सरकार का विशेष अधिकार है, इसे चुनौती नहीं दी जा सकती है। विशेष सत्र बुलाया है, क्या यह सत्र विशेष है या नहीं, इस पर संसद में भी विचार हो सकता है या नहीं कहा नहीं जा सकता। यदि इसे सीक्रेट सत्र माना जावे तो फिर एजेंडा बताना उचित प्रतीत नहीं होता।

सरकार जब एजेंडा को सीक्रेट रखना चाहती है तो उसका कोई तो उद्देश्य होगा। गत वर्षों में विशेष सत्र बुलाये हैं, सरकार का कथन है कि उनमें एजेंडा नहीं दिया था।

यह सही है नोटिस जारी करने से पहले सरकार से वार्ता की आवश्यकता नहीं है। कुछ भी हो जब स्पेशल सत्र है तो Purpose भी उसी श्रेणी का होना चाहिये।

लोकसभा का स्पेशल सत्र पहले भी बुलाया गया था जब सरकार ने 50वीं वर्षगांठ मनाई थी और स्पेशल सेशन उस समय भी बुलाया गया था जब जीएसटी बिल्स पास कराने थे। सांसदों को इसका ज्ञान था, अतः एजेंडा की आवश्यकता नहीं थी।

सरकार से पूछने पर यह डिसक्लोज किया गया कि एजेंडा नोटिस के साथ भेजने की कोई परम्परा नहीं है।

कोई भी व्यक्ति यह कहने को तैयार नहीं है कि एजेंडा के अभाव में स्पेशल सेशन अवैध होगा।

इन दिनों भारत सरकार कई मुद्दों को निपटाना चाहते हैं। पहला मुद्दा है, एक देश-एक चुनाव। यह भी काफी चर्चा का विषय है कि देश के दो नाम नहीं हो सकते। संविधान अनुच्छेद (1) में कहता है कि India देश का नाम India, that is Bharat है। गुलामी से स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद सभी देश उन नामों को व निशानों को समाप्त करना चाहते हैं जो गुलामी की याद को ताजा करने में सक्षम हैं। जी-20 की मीटिंग का निमंत्रण भारत के राष्ट्रपति की ओर से भेजा गया है, न कि Government of India की ओर से। इन दोनों मामलों में संविधान संशोधन होगा। ऐसा मालूम पड़ता है कि भारत सरकार देश को इण्डिया नाम नहीं रखना चाहती है और केवल भारत के नाम से देश को पुकारना चाहती है। भारत के 16 नाम समय समय पर रहे हैं। घ्र्हें का नाम सबसे बाद का है, यह नाम कब और कैसे पड़ा इस बाबत Oxford Dictionary को देखना भी उचित होगा। इन दोनों ही मामलों में संविधान संशोधन होगा और ऐसा मालूम पडता है कि उपरोक्त विषय पर संसद में बिल लेकर आवेगी। दोनों ही मामलों विशिष्ट हैं उन्हें स्पेशल सेशन में पास कराया जावेगा। यों तो कई मामले हैं, जिन पर चर्चा होकर अधिनियम पास कराये जा सकते हैं। फौजदारी, दीवानी व साक्ष्य के नये कानून भी इस श्रेणी में आ सकते हैं।

यह सही है विशिष्ट (विशेष) सत्र की सूचना सांसदों को दी जा चुकी है। विशेष सत्र बुलाना सरकार का विशेष अधिकार है, इसे चुनौती नहीं दी जा सकती है। विशेष सत्र बुलाया है, क्या यह सत्र विशेष है या नहीं, इस पर संसद में भी विचार हो सकता है या नहीं कहा नहीं जा सकता। यदि इसे सीक्रेट सत्र माना जावे तो फिर एजेंडा बताना उचित प्रतीत नहीं होता। विशेष सत्र बुलाने का रूल्स में प्रावधान नहीं है, किन्तु ऐसे सत्र पहले भी बुलाये जा चुके हैं। यह भी कहा जा सकता है कि विशिष्ट सत्र की सीक्रेट सत्र है।

प्रधानमंत्री मोदी के मन को पढ़ना आसान नहीं है, वे झटका देने व Surprise पैदा करने के हेतु प्रसिद्ध हैं। सत्र के प्रारम्भ होने से पहले उसी दिन एजेंडा सांसदों को बतलाया जा सकता है, जैसा पहले हो चुका है। ऐसा भी मालूत पड़ता है कि सरकार सभी दलों को चर्चा के लिये बुलाना चाहती है। एक समाचार के अनुसार एजेंडा भेज दिया जावेगा।

संसद के इतिहास में 18 सितम्बर 2023 का विशेष सत्र एक नया इतिहास लिखेगा। प्रतीक्षा करें, देश प्रगति व विकास की ओर बढ़ रहा है। जी-20 की सफलता पर देश को गर्व है।

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

भारत बनाम इंडिया : एक व्यंगात्मक नजरिया

महावीर सिंह

प्रातः भ्रमण के बाद, रामभज आज कुछ ज्यादा ही तेज गति से घर की तरफ लोटा। दरवाजे पर पहुंचते ही जोर से आवाज लगाई--"ओ भगवान जरा सुनो तो"।

घरवाली अंदर से आते ही बोली--'मंदिर गए थे या नहीं? भगवान को हाथ जोड़े की नहीं? क्यों इतनी जोर से भगवान को आवाज लगा रहे हो, बहरा नहीं है, उसे सब सुनता है, उसे सब दिखता है-सर्वत्र-सर्वव्यापी-सर्वकालिक है।'

'नही, नहीं, मैं तो आपको ही आवाज लगा रहा था।' घरवाली को भी तो कुछ ऐसे ही तो बोलते है!

श्रीमान जी, उसे बोलते है-भागवान अर्थात भाग्यशाली

रामभज नें अपनी बात पर आने की कोशीस की--ठीक है मैडम, वही सही---

घरवाली नें फिर टोका--पहले तय कर लो, बात हिंदी में करनी ही या अंग्रेजी में करनी है या मारवाड़ी-मेवाड़ी-ढूंढाड़ी-हरियाणवी शेखावाटी में? मुझे किसी में ही दिक्कत नहीं।

बात हिंदी में आगे बढ़ी--रामभज बोला, आजकल तो सुबह जिसे देखो वही इंडिया, भारत पर गर्मागर्म बहस कर रहे थे? तुम्हारा क्या विचार है, नाम कोन सा ठीक रहेगा?

पूछ तो ऐसे रहे हो जैसे कि मोदी जी/भाजपा/ भारत सरकार नें यह तय करने का जिम्मा तुम्हारे मरियल कंधों पर डाल दिया हो?

नहीं ऐसी बात नही किन्तु यह हम सब की सबसे बड़ी पहचान का मामला है तो चर्चा तो अपन भी कर ही सकते है?

घरवाली जोर देकर बोली--जब एक सर्वकालिक सर्वशक्तिशाली सरकार नें कुछ सरकारी कागजों में इंडिया की जगह भारत लिखा है तो सोच समझ कर ही लिखा होगा। क्यों फालतू में दिमाग पर जोर दे रहे हो। आप जैसे ठाले भुलों को तो, बस, बेमतलब की बहस करनी।

रामभज नें कहा, जरा दिमाग पर जोर लगाओ, नाम बदलने से आम आदमी की स्थिति ज्यादा अछी हो जाएगी क्या? मंहगाई घट जाएगी, रोजगार बढ़ जाएंगे, कम खर्चे में ज्यादा अच्छा इलाज हो जाएगा या बच्चों को ज्यादा अच्छी शिक्षा मिलने लग जाएगी, दवाइयों-खाने-पीने के समान बिना मिलावट मिलने लगेंगे, स्त्रियों-नाबालिग बच्चियों के विरुद्ध घृणित अपराध कम जो जाएंगे, मोब लॉन्चिंग रुक जाएगी, हिन्दू-मुसलमान-हिंदुस्तान-पाकिस्तान, समाज विभाजन रुक जाएगा?

श्रीमती रामभज नें कहा, देश का नाम बदलने का इन बातों से कोई लेना देना नहीं। सारी सरकारें देखी हैं, भ्रष्टाचार बढ़ता गया। मंहगाई, बेरोजगरी कम हुई नहीं। महिलाओं के विरुद्ध अत्याचार बढ़ते ही गए।

प्रधान मंत्री जी नें, मंहगाई, अपराध, रिश्वतखोरी, आदि पर लगाम लगाने का काम देखने के लिए मंत्रियों, अफसरों की फोज लगा रखी है,वे क्या करेंगे? अब यह सरकार जो कर रही है, वह तो गुलामी की निशानीया मिटाने वाले काम है। पहली बार कोई सरकार ऐसा करने की हिम्मत दिखा रही है। 15 अगस्त वाली आजादी तो बस लीपापोती थी। अंग्रेजों ने अपनी जगह अपने आदमी बैठा दिए--और क्या हुआ उस आजादी से? इस सरकार नें सैंकड़ों अंग्रेजों के बनाए कानून खत्म कर दिए। जनता को पहली बार लगा है कि उन्हें वास्तव में अंग्रेजों से अब मुक्ति मिल रही है--धीरे-धीरे। रामभज यह बताने की हिम्मत नही जुटा पाया कि आज जो भारत हम देख रहे है, वह मात्र नो साल में थोड़े ही बना है। ईंट-पथर-रोड़ी-चुना-घास-फूस-पसीना सबको जीरो से इक्कठा कर, उन्हें मिलाकर यह इमारत खड़ी हुई है, जिसकी छत पर से, अब, लोग चिल्लाते हैं कि हमारे बाप-दादों नें कुछ नहीं किया????

रामभज के घरवाली बोली, संविधान बदल के कश्मीर का कानून खत्म कर दिया ना। तीन तलाक रोक दिया ना। ऐसे धमाकेदार काम होते है सरकार के। जो केवल और केवल यह महाबली सरकार ही कर सकती है। अब वो अंग्रेजो के बनाए, पुराने चोरी-चकरी-लड़ाई-झगड़ों आदि के कानूनों को बदलने वाली है। कुछ निठ्ठल्ले, अपूर्ण देश भक्त लोगों की आदत पड़ गई यों ही चलते रस्ते अच्छे कामों में टांग अड़ाने की।

बात इतनी सी नहीं है--रामभज ने समझने का प्रयास किया कि इंडिया, भारत से अलग कोई ओर अच्छा नाम ध्यान आ जाए तो सुझाव भेज देंगे, क्या बुरा है?

घरवाली नें कहा सारा पुराण साहित्य एक से बढ़ कर एक, अच्छे नामों से भरा पड़ा है। आर्यवर्त रख लो, जंब्बू द्वीप रख लो, किसी भगवान या देवी के नाम रख लो, वैदिक देश, सनातनी/सनातन देश, हिन्दू धर्म देश, विश्व गुरु देश, संस्कृत देश, अखंड भारत, महा भारत, जैसे विशुद्ध राष्ट्रवादी नाम, रख लो ----कोई कमी है क्या?

वैसे भारत आया भरत से, भरत की पैदाइश हुई प्रेम विवाह से और भरत के खानदान में हुई महाभारत-- खैर छोढ़ो लोगों का काम है मीन मेख निकालना-----

किन्तु जब बड़े-बड़े तुर्रम खान दिल्ली में बैठे है, उनसे कोई नहीं पूछ रहा, तो आप किस खेत की मूली है जो सुझाव भेजने का ख्वाब देखते है?

रामभज बोला, भागवान इतना सरल होता तो मैं चर्चा ही क्यों करता? अब जैसे आर्यवर्त रखने में दिक्कत है। सारे यूरोपियन, रसियन, अरब भी तो अपने आप को आर्य कहते है--वो सब एतराज करें तो? फिर भारत के अंदर भी तो विरोध करने वालों की कमी है क्या--द्रविड़, संथाल, मूलनिवासी ओर बहुत से एतराज करेंगे ही। ओर यह देश अकेले आर्यों का थोड़े ही है--यहां आर्य, कुषाण, हुण, सिथियन्स, पार्थियन्स, ग्रीक, मंगोल, उज्बेक, अरब, अफगान, यूरोपियन्स व दूसरे ओर कई लोग आकर बसते रहे है, सदियों से। ओर झगड़े देखो--सिंधु घाटी सभ्यता आर्यों की थी या द्रविड़ियन, आर्यन विदेशी आक्रमणकारी थे या नहीं, इस सभ्यता को आर्यों नें नष्ट किया या प्रकृतिं आपदा नें---इन सब बातों पर भी, हम लोगों से घण्टो, बिना निष्कर्ष वाली बहस करा लो। सबसे बड़ी बात तो यह है कि आर्यों के नाम पर, गर्व करने के सबसे बड़े ठेकेदार बनने वाला हिटलर बहुत बदनाम नाम है, कोई भी किसी भी रूप में, ख्वाब में भी उस नाम के साथ, दूर-दूर का जोड़ भी नही चाहता। इस लिए आर्य देश नाम तो भूल ही जाओ।

श्रीमती रामभज नें फिर टोका--चाहे इतने बड़े बहुमत की, 24 घण्टे काम करने वाली सरकार, कितना ही अच्छा फैसला करे, बस विरोध ही विरोध---

रामभज नें फिर कुछ बोलने का प्रयास किया----ओर पुराणों आदि में भी तो खींचतान कर आर्यदेश की सीमाएं नर्मदा के आगे नही जाती---सनातनी-सनातन क्या बला है, इस की तो परिभाषा पर ही, बड़े-बड़े राजनेताओं, धर्म गुरुओं में, दाल भात के मुसलचन्दों के बीच लठम-लठ हो रहा है---

घरवाली नें पीछा छुड़ाते हुए कहा, फालतू के मुद्दों पर टाइम वेस्ट करने का मेरे को कोई शोख नहीं। घर में ओर बहुत से कम हैं। करनी है तो साफ-सफाई में मदद कर दो। सरकार को कहते-कहते तक गई स्वछता स्वछता किन्तु हर कोई चारों तरफ गन्दगी फैलाने में लगा है--कैसे भला हो देश का--एक आदमी क्या कर सकता है, सिवाय भाषणबाजी के।

पड़ोस में काम करने वाला रामसहाय, निकलता दिखा, उसको आवाज लगाई। रामभज नें पूछा ,बोल भाई राम, देश का नाम क्या हो?

रामु बोला बाबू साहब, इन सब फालतू बातों से हमारा क्या सम्बन्ध? इस से दो वक्त की रोटी का जुगाड़ आसान थोडे ही हो जाएगा। फिर यह भी है कि यह सब सोचने-विचारने का काम धाए, खाते-पीते, खुराफाती राजनीति करने नाडों का है।

रामभज समझने लगा, राम सहाय, बहुत से सरकारी कागजों में बहुत बदलवाना पड़ेगा, बहुत से काम अटक जाएंगे या बहुत देरी ना हो जाएंगे, जैसे तेरी ओल्ड एज पेंशन।

रामु बिना कोई दिमाग पर लोड डाले बोला, जिसको वोट लेना होगा वह सारे कागजात तैयार करा देगा, सारी सुविधाएं भी देगा। क्या चिंता करनी, इन छोटी-मोटी बातों की।

सड़क पर, कॉलोनी के सबसे अधिक पढ़े-लिखे, पेशे से वकील, केवल जी जाते दिखे तो आवाज लगाकर चाय के लिए न्योता दे दिया। केवल जी के आने के साथ ही, बिना चाय की आवाज लगाए ही, चाय आगई---घर वाली कहने लगी, मुझे पता है आपको क्यों बुलाया है ? आधे, पौन घण्टे से, इन्होंने सब से माथा पच्ची कर ली----- देश का नाम क्या हो? अब आप समझा दो।

केवल जी नें कहा देखो, इंडियन प्रेसीडेंट/भारत के राष्ट्रपति, इंडियन रिजर्व बैंक/भारतीय रिजर्व बैंक/इंडियन इंसटीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी/भारतीय प्रौद्योगिक संस्थान लिखो--सब एक ही है--भारत का सबसे बड़ा कानून इसकी इजाजत देता है। हाँ, लिखने पड़ेंगे दोनों वरना भाषा के नाम पर 60 के दशक जैसे उत्पात-आंदोलन होने लग जाएंगे।

वैसे संविधान बना तब बनाने वाले, देश के हर कोने से, धर्म-सम्प्रदाय से, बहुत ही समझदार-तपे-तपाए लोग थे, जिन्होंने भारत को अंग्रेजों-राजे-रजवाड़ों से लड़ कर लिया था और उन्होंने सोच-समझ कर ही दोनों नाम रखे थे।

हां, सरकार चाहे तो, दोनों सदनों में 2 तिहाई बहुमत से, संघ के आधे राज्यों की सहमति हो तो संविधान में संसोधन हो सकता है। संविधान की जिस जिस धारा इंडिया शब्द हो उसे भारत किया जा सकता है।

किन्तु इसका क्या विशेष लाभ होगा, देश को या लोगों को? जर्मनी में भी तो सर्वश्रेष्ठ होने का राष्ट्रवाद फैला था, क्या भला हुआ जर्मनी का?

उनकी चर्चा में कॉलोनी के इतिहास के प्रोफेसर हर सहाय ओर जुड़ गए। उनका कहना था कि कम से कम तीन, साढ़े तीन हजार साल पहले से पर्सियन साम्राज्य व ग्रीक लोग इंडिया के किसी न किसी अपभ्रंश के रूप में सिंधु नदी के पूर्व के भूभाग को जानते आए हैं।

उन्होंने आगे कहा हमारे यहां तो राष्ट्रवाद की लो जलाने के लिए, गुलामी के प्रतीक कह कर शहरों, एतिहासिक इमारतों, सड़कों, गलियों के नाम बदलने का फैशन चल पड़ा है। जिस किसी नेता के पास कुछ ठोस, बड़ा,सर्वहितकारी करने को कुछ नहीं होता है, वह यह नाम बदलने वाला शार्ट रुट लेकर झंडा बरदारी करने लगता है।

कुछ गम्भीर होकर प्रोफेसर साहब बोले, गुलामी का सबसे बड़ा प्रतीक तो अंग्रेजी भाषा है। है हिम्मत तो हटाओ!!

बहुत से विद्वानों का मानना है कि सबसे पुराने उपलब्ध ग्रन्थ ऋग्वेद में भरत शब्द है, भारत शब्द नहीं है यह उस भौगोलिक क्षेत्र को कहा जाता था जहां आर्यों की भरत जनजाति रहती थी। यह आज के भारत के सम्पूर्ण भौगोलिक क्षेत्र को इंगित करता हो, यह सुस्थापित नहीं। चर्चा लम्बी खिंचती देख और इस से पीछा छुटवाने के लिए श्रीमती रामभज आ गई और बोली यदि चाय पीकर फिर जोश के साथ चर्चा करनी हो तो, बताओ, अन्यथा तो मेरे पास में एक ऐसा नाम है जिससे पुराने समय में, विदेशों में इस क्षेत्र को जाना जाता था, सब को इस से गर्व होगा, शायद ही किसी को आपत्ति हो---

नाम रख लो--"'सोन चिड़िया देश''''

मीटिंग विसर्जन के बाद रामभज को समझाया गया कि यह फालतू की बहसें मॉर्निंग वॉक तक ठीक है,घर पर मत लाया करो। यहां ज्यादा जरूरी कामों की कमी है क्या, करना चाहो तो।

–महावीर सिंह,
पूर्व आईएएस

पेट्रोल पंपों की हड़ताल से रामदेवरा यात्री परेशान

जोधपुर/पाली, (कासं)। राजस्थान में पेट्रोल-डीजल पर वेट कम करने और डीलर्स का कमीशन बढ़ाने की मांग को लेकर पेट्रोल पंप संचालकों की सांकेतिक हड़ताल दूसरे दिन गुरुवार को भी जारी रही।

गुरुवार को दूसरे दिन भी सुबह दस बजे से शाम छह बजे तक पेट्रोल पंप से पेट्रोल व डीजल की बिक्री नहीं हो रही है। लेकिन जोधपुर में कुछ पंप संचालक आपातकाल और रामदेवरा जाने वाले यात्रियों को पेट्रोल बिक्री कर रहे हैं। जोधपुर शहर के कई पेट्रोल पंप की थाह ली तो सामने आया कि कई पंप संचालक तो बिल्कुल हड़ताल के पक्ष में है और पंप के बाहर बेरी कटिंग लगाकर किसी को भी प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। जबकि दूसरी और मेडिकल कॉलेज चौराहा, संगरिया रोड और जलजोग चौराहे के पास स्थित पेट्रोल पंप पर बिक्री चालू थी। पेट्रोल पंप पर काम करने वाले कई लोगों ने बताया कि वैसे तो हड़ताल के पक्ष में है लेकिन आपातकाल के लिए बिक्री चालू की गई है।

पश्चिमी राजस्थान में इन दोनों सबसे ज्यादा रामदेवरा यात्रियों को परेशानी हो रही है। हजारों यात्री दुपहिया और चार पहिया वाहन लेकर सैकड़ों किलोमीटर का सफर कर जोधपुर पहुंच रहे हैं और इसके बाद आगे रामदेवरा जा रहे हैं। इनमें से अधिकांश यात्री जोधपुर आसपास के पेट्रोल पंप से पेट्रोल भरवाते हैं जिससे आगे 200 किलोमीटर की यात्रा सुगम हो सके। लेकिन पेट्रोल पंप बंद होने से इन्हें परेशानी का सामना कर रहा पड़ रहा है। हालांकि कुछ पंप संचालकों ने रामदेवरा यात्रियों के लिए सेवार्थ पंप खोल दिए हैं। जोधपुर शहर के 74 पेट्रोल पंप के साथ पूरे जिले के 450 पंप गुरुवार को दूसरे दिन भी सांकेतिक हड़ताल पर रहे। सुबह दस बजते ही पेट्रोल पंप पर बैरिकेडिंग और रस्सी बांधकर बंद कर दिया। कुछ पर बिक्री चालू रही।पड़ोसी राज्यों से राजस्थान में पेट्रोल और डीजल पर ज्यादा वैट होने के कारण पाली जिले भर में पेट्रोल पम्प बुधवार सुबह 10 से शाम 6 बजे तक बंद रहे। ऐसे में कई वाहन चालकों को खासी परेशानी आई। खास कर रामदेवरा जाने और वापस आने वाले जातरू गाड़ियों में पेट्रोल-डीजल भरवाने के लिए एक पेट्रोल पम्प से दूसरे तक भटकते रहे। ऐसे में बीच रास्ते गाड़ियां रुक जाने के डर से कई जातरू पेट्रोल पम्पों पर ही शाम छह बजने का इन्तजार करते नजर आए। उसके बाद पेट्रोल-डीजल भरवा आगे के सफर के लिए रवाना हुए। इधर शाम 5 बजे से ही शहर के कई पेट्रोल पम्पों पर वाहनों में पेट्रोल भरवाने के लिए वाहन चालकों की भीड़ नजर आई। पाली में हाइवे स्थित किसान केसरी पेट्रोल पम्प पर दोपहर करीब 2 बजे यात्रियों से खचाखच भरी गाड़ी लेकर पहुंचे भीलवाड़ा के मोनू ने बताया कि वे रामदेवरा दर्शन कर आ रहा है। दो-तीन पेट्रोल पम्पों पर गए लेकिन हड़ताल के चलते उनकी गाड़ी में डीजल नहीं भरा गया। ऐसे में परेशान है क्योंकि बच्चे और महिलाएं भी साथ आगे जा नहीं सकते क्योंकि गाड़ी में डीजल कम है। ऐसे में शाम 6 बजे तक यही पेट्रोल पम्प इन्तजार करेंगे।

■ हालांकि कुछ पंप संचालकों ने रामदेवरा यात्रियों की सेवार्थ पंप खोले

मारवाड़ जंक्शन क्षेत्र का पुखराज भी बाइक लेकर अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ रामदेवरा गया था। घर लौटने के लिए उसकी बाइक में पर्याप्त पेट्रोल नहीं था। उसने बताया कि दो-तीन पेट्रोल पम्प पेट्रोल भरवाने के लिए विनती की लेकिन पेट्रोल नहीं भरा। बीवी, बच्चे साथ है अब आगे कैसे जाऊ।

गुंदोज के टैक्सी ड्राइवर हरीश कुमार की भी कुछ ऐसी ही पीड़ा था। बोले कि गुंदोज से पाली टेम्पो में गैस भरवाने आया हूं लेकिन हड़ताल के चलते गैस भी नहीं भर रहे। अब घर कैसे जाऊ टैक्सी में घर लौटने तक का गैस नहीं बचा। हड़ताल तो पेट्रोल-डीजल की है, गैस भरना क्यों बंद कर रहे है।

एयरफोर्स के हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग कराई

गुड़ामालानी, (निसं)। उपखंड के ग्राम पंचायत सिंधासवा हरियान के खेल मैदान में गुरुवार को दोपहर के समय करीब डेढ़ बजे रूटिन अभ्यास पर जा रहे एयरफोर्स के हेलीकॉप्टर की तकनीकी खराबी आ जाने से गुड़ामालानी के सिंधासवा गांव के खेल मैदान में इमरजेंसी लैडिंग करने पड़ी। हेलीकॉप्टर में पायलट सहित तीन एयरफोर्स के जवान मौजूद थे।

हेलीकॉप्टर देखकर आसपास के लोगों के लिए कोतूहल का विषय बन गया। सूचना मिलने पर गुड़ामालानी पुलिस मौके पर पहुंची। पायलट जवानों ने हेलीकॉप्टर की तकनीकी खराबी को ठीक करने लगे। करीब 15 मिनट एयरफोर्स का हेलीकॉप्टर मैदान में खड़ा रहा। गुड़ामालानी थानाधिकारी सूरजाराम जाखड़ के मुताबिक एयरफोर्स के हेलीकॉप्टर तकनीकी खराबी के चलते इमरजेंसी लैडिंग की। करीब 15 मिनट बाद तकनीकी खराबी सही करके वापस उडान भर दी। एयरफोर्स के पायलट लैडिंग करने के बाद करीब 15 मिनट में तकनीकी खराबी को ठीक कर दिया। इसके बाद पुलिस के जवानों ने ग्रामीणों की भीड़ को दूर किया। इसके बाद सावधानी से पायलट ने फिर से हेलीकॉप्टर की उडान भरी।

बारिश होने से किसानों में खुशी

जोधपुर, (कासं)। लौट रहा मानसून लंबे समय बाद फिर प्रदेश में सक्रिय हो गया है। बंगाल की खाड़ी पर बने कम दबावी क्षेत्र से मानसून की मेहर फिर प्रदेश पर बनी है, जोकि आगामी चार-पांच दिनों तक बनी रहेगी। प्रदेश के कई हिस्सों में अच्छी बारिश हो सकती है। इधर इस कम दबावी क्षेत्र का असर मारवाड़ पर देखने को मिला। जोधपुर शहर और आसपास गांवों में सुबह से ही घटाटोप छाया हुआ है। रूक रूक कर शहर और आस पास के गांवों में बारिश होने से किसानों के चेहरे खिल गए।

गुरूवार को छाए बादलों और बारिश से मौसम सुहावना बना हुआ है। भीषण गर्मी और उमस की मार झेल रहे मारवाड़वासियों को आज काफी राहत महसूस की गई। हालांकि बुधवार का तापमान 35 डिग्री होने पर कुछ गर्मी और उमस से राहत मिली थी, फिलहाल आसमां पर बादल छाए होने के साथ मौसम खुशनुमा बना हुआ है। जिले के लूणी कस्बा क्षेत्र में सुबह अच्छी बारिश होने के साथ खेतों में पानी भी भर गया। एक बार फिर मानसून की सक्रियता बनने से किसानों के चेहरों पर रौनक ला दी है। हालांकि कई कृषकों ने खरीफ की कटाई करनी शुरू कर दी है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

राशिफल शुक्रवार 15 सितम्बर, 2023

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, अमावस्या, शुक्रवार, विक्रम संवत 2080, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र शनिवार प्रातः 7:36 तक, शुभ योग रात्रि 3:41 तक, नाग करण प्रातः 7:10 तक, चन्द्रमा आज दिन 11:36 से कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-कन्या, बुध-सिंह, गुरू-मेष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज बुध मार्गी रात्री 1:50 से होगा। आज देव कार्य अमावस्या, जीवंतिका पूजन और शहादते हसन (मु.) है। आज अमावस्या तिथि में वृद्धि हुई है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर सूर्योदय से 7:47 तक, लाभ-अमृत 7:47 से 10:50 तक, शुभ 12:22 से 1:54 तक, चर 6:50 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:16, सूर्यास्त 6:29

मेष
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृष
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

मिथुन
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

कर्क
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा।

सिंह
आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। अनावश्यक धन खर्च होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

कन्या
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनः स्थिति में सुधार होगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। आर्थिक मामलों में आज संतुलन बना रहेगा। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा।

वृश्चिक
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा।

धनु
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

मकर
कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मीन
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।